Patrika (Indore), 28th July 2023, Page-03

#EducationPolicy: नई शिक्षा नीति के तहत शुरू किए बी-टेक के दो नए कोर्स, शिक्षा के अनुभव को बेहतर बनाने को हो रहा सुधार

छात्रों की परेशानी दूर करेगा आइआइटी का जेनेसिस प्लेटफॉर्म

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर ने विद्यार्थियों को मैकर्स बनाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बी-टेक में दो नए कोर्स शुरू किए हैं। छोटी-छोटी बातों पर परेशान रहने वाले छात्रों के लिए आइआइटी ने जेनेसिस कोर्स 2022 से शुरू किया था। यह छात्रों की परेशानी दूर करने का प्लेटफॉर्म बन रहा है। यह कोर्स छात्रों को नए मित्र बनाने का अवसर प्रदान करने के साथ कौशल विकास का भी माध्यम बन रहा है। जेनेसिस के साथ जीवन कौशल के महत्व व छात्रों को दुनिया का सामना करने, सशक्त बनाने वाला लाइव कोर्स भी शुरू हुआ है। कोर्स छात्रों को चिंता से बाहर निकालने में मदद करता है। आइआइटी इंदौर में बी-टेक फर्स्ट ईयर के 480 विद्यार्थी हैं। इस बारे में आइआइटी डायरेक्टर डॉ. सुहास जोशी से बातचीत के प्रमुख अंश।

डॉ. सुहास जोशी

Q छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किस प्रकार के सुधार किए गए?

A इंडस्ट्री, मल्टीडिसिप्लीनरी नॉलेज की जरूरत को देखते हुए एनइपी (नेशनल एजुकेशन पॉलिसी) कारगर है। मेकर स्पेस, छात्रों को उनकी डू-इट-योरसेल्फ क्षमता को निखारने का अवसर प्रदान कर रहा है। 7वें सेमेस्टर के दौरान अपने इंटरेस्ट के क्षेत्र में प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए संबंधित बी-टेक प्रोजेक्ट पर काम करने की सुविधा है। मेकर स्पेस व टिकरिंग लैब का उपयोग कर छात्रों के पास अपने आइडिया को रियलिटी में बदलने के कई रास्ते हैं।

Q छात्र अपनी एजुकेशनल क्रेडिट को डिजिटल में स्टोर करना चाहते हैं। इसके लिए आइआइटी क्या कर रहा है?

A इसके लिए हमने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना की है। आइआइटी ने प्रक्रिया के एक भाग के रूप में ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी लागू की है। यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां छात्र अपने प्रमाणित क्रेडिट और हासिल की गई डिग्री की ऑनरशिप ले सकते हैं।

Q ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स किस वर्ग के छात्रों के लिए कितने प्रभावशील व लाभकारी हैं?

A आइआइटी में कामकाजी पेशेवरों के लिए विशेष डिग्री और सर्टिफिकेट प्रोग्राम उपलब्ध हैं। इनमें ऑनलाइन कोर्स डिलीवरी और शॉर्ट ऑन-कैंपस समावेश प्रोग्राम शामिल हैं। आइआइएम के सहयोग से आइआइटी के प्रमुख प्रोग्राम में डेटा साइंस व प्रबंधन में एमएस है। दो वर्षीय ऑनलाइन प्रोग्राम कामकाजी पेशेवरों को अट्रेक्ट कर रहा है।

Q आज युवा इंजीनियरिंग के साथ उद्योग में भी रुचि रखता है। इनके बीच कैसे सामंजस्य कर रहे हैं।

A हमारे यहां इंटरप्रेन्योरशिप के एडवांस सेंटर हैं, जहां बिजनेस इन्क्यूबेटर का मैनेजमेंट होता है। टेक्नोलॉजी बेस्ड इंटरप्रेन्योरशिप के लिए 'स्टार्ट टू स्केल' काफी सपोर्ट करता है। साथ ही रिसर्च एक्टिविटी को टेक्नोलॉजी बेस्ड इंटरप्रेन्योरशिप में कन्वर्ट करता है।

Q मप्र सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए आप क्या कर रहे हैं?

A मप्र में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए आइआइटी इंदौर, मप्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। मप्र के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के यूजी छात्रों के लिए आइआइटी इंदौर में इन बाउंड छात्र प्रोग्राम (एक वर्षीय), मेधावी छात्रों के लिए मेंटरिंग व इंटर्नशिप (1-3 महीने) तथा मप्र में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज शिक्षकों के लिए अंशकालिक पीएचडी है।

पत्रिका रीडर्स फेस्ट